

CAMPUS ENTREPRENEURSHIP | स्टूडेंट आंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा दे रहे हैं कॉलेज

कॉलेज कैंपस से बिजनेस की शुरुआत, डिग्री मिलने तक तैयार होगा वेंचर

कॉलेज अब डिग्री के साथ आंत्रप्रेन्योरशिप के लिए भी बेहतरीन प्लेटफॉर्म का काम कर रहे हैं। दुनिया की कई मल्टी बिलियन कंपनियों का जन्म कॉलेज कैंपस में ही हुआ है। उदाहरण के तौर पर गूगल की शुरुआत स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुई, फेसबुक और माइक्रोसॉफ्ट की नींव हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में रखी गई। डेल की शुरुआत भी यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में हुई। अब ऐसे कई उदाहरण हैं जो साबित कर रहे हैं कि उच्च शिक्षा का जरिया माने जाने वाले कॉलेज कैंपस अब स्टूडेंट्स के लिए ऐसे प्लेटफॉर्म के तौर पर सामने आ रहे हैं जहां उनके छोटे-छोटे आइडिया बड़े स्टार्टअप्स में तब्दील होते देखे जा सकते हैं। इसी रुझान को समझते हुए यूनिवर्सिटीज स्टूडेंट्स को आंत्रप्रेन्योरशिप के लिए प्रोत्साहित करने के लिए डूइंग यूनिवर्सिटी के तौर पर अपनी पहचान बना रही हैं जहां छात्रों को अपने सपने साकार करने के लिए हर संभव मदद उपलब्ध है। कई कॉर्पोरेट्स भी कॉलेज स्टूडेंट्स की मदद के लिए कई प्रोग्राम्स संचालित कर रहे हैं। इनमें से कुछ हैं-

स्टूडेंट आंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए कॉर्पोरेट्स और कॉलेज, स्टूडेंट्स की मदद के लिए कई प्रोग्राम्स संचालित कर रहे हैं।



गूगल : गूगल का स्टूडेंट एम्बेस्डर इनिशिएटिव देश के 300 कॉलेजों में स्टूडेंट्स की मदद कर रहा है। गूगल के स्टूडेंट एम्बेस्डर कॉलेजों में कार्यक्रम आयोजित करते हैं और एप डेवलपमेंट के लिए प्रोत्साहन देते हैं।



नोकिया : नोकिया और माइक्रोसॉफ्ट स्टूडेंट्स और आंत्रप्रेन्योरस के लिए मोबाइल एप एक्सेलरेटर प्रोग्राम एप कैंपस चला रहे हैं। कंपनी स्टूडेंट डेवलपर्स को कई डिप्लोमा कोर्स भी करवाती है।

माइक्रोसॉफ्ट : माइक्रोसॉफ्ट का इमेजिन कप सबसे बड़ी स्टूडेंट टेक्नोलॉजिकल प्रतिस्पर्धाओं में से एक है। इसमें 31 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाती है। अपने बिजनेस प्रोग्राम के माध्यम से कंपनी स्टार्टअप्स को मेंटरिंग, मार्केटिंग मुहैया करवाती है।

कॉलेज जिन्होंने दुनिया के बिलियन डॉलर स्टार्टअप खड़े किए

कॉलेज	स्टार्टअप फाउंडर्स की संख्या
स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी	51
हार्वर्ड यूनिवर्सिटी	37
यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया	18
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी	12
एमआईटी	09



आईबीएम:

आईबीएम बिग डाटा एनालिटिक्स जैसे स्पेशलाइज्ड कोर्स उपलब्ध करवाने के लिए वीआईटी जैसी डीम्ड यूनिवर्सिटी के साथ काम कर रहा है। द ग्रेट माइंड चैलेंज के जरिए श्रेष्ठ 100 आइडिया लाने वाले स्टूडेंट्स को इसके तहत इंटरशिप दी जाती है। साथ ही इंक्यूबेशन सेंटर से भी मिलवाया जाता है। आईबीएम के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सेल 150 कॉलेजों में मौजूद हैं जहां वे स्टूडेंट्स को निशुल्क मेंटरिंग के साथ टेक्नोलॉजी और वर्कशॉप्स भी उपलब्ध करवाते हैं।



आईआईटी, आईआईएम भी आगे

आईआईटी बॉम्बे आंत्रप्रेन्योरशिप सेल ईसेल और सोसाइटी फॉर इन्वेंशन एंड आंत्रप्रेन्योरशिप साइन के जरिए देश भर के 160 कॉलेजों में स्टूडेंट संचालित स्टार्टअप्स को मदद पहुंचा रहा है। जहां ईसेल वर्कशॉप्स और स्पीकर सेशन के जरिए जागरूकता ला रहे हैं वहीं साइन एक इंक्यूबेटर के तौर पर स्टार्टअप्स को मेंटरशिप उपलब्ध करवा रहा है। संस्थान ने मैसूर, इंदौर और जयपुर सहित 80 शहरों में इन ईसेल्स की शुरुआत की है। इसी तरह आईआईएम ए अपने सेंटर फॉर इन्वेंशन, इंक्यूबेशन एंड आंत्रप्रेन्योरशिप सीआईआईई के तहत भावी आंत्रप्रेन्योरस के लिए द मेंटर एज, द पावर ऑफ आइडियाज, आईएक्सेलरेटर और इनफ्यूज जैसी सुविधाएं मुहैया करवा रहा है।

प्रोत्साहन के लिए कई योजनाएं

स्टार्टअप्स की मजबूती के लिए कई एनजीओ और एंजल इवेस्टर नेटवर्क व वेंचर फंड्स सक्रिय हैं। सरकार भी आंत्रप्रेन्योरशिप के माहौल को मजबूती देने के लिए विभिन्न संस्थानों जैसे डीएसटी, डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर आंत्रप्रेन्योरशिप एंड स्मॉल बिजनेस डेवलपमेंट, रिक्त डेवलपमेंट, आंत्रप्रेन्योरशिप, यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री, एनएसडीसी के जरिए कई योजनाओं का संचालन कर रही है।